मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–143

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.ई.-143 : संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों का उत्तर किसी एक भाषा संस्कृत, हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी में लिखिए परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये : 10×5=50

   (क) सत्कार्यवाद, असत्कार्यवाद का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(ख) श्रीमद्भगद्गीता में वर्णित कर्मयोग की विवेचना कीजिए।

(ग) षोडश संस्कारों की सामाजिक व वैज्ञानिक उपादेयता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।

(घ) कर्म की व्याख्या करते हुए उसके प्रकारों की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

(ङ) प्रकृति के तीनों गुणों क व्यक्ति पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिए।

(च) गीता के अनुसार स्वधर्म को स्पष्ट कीजिए।

(छ) भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** क उत्तर दीजिए : $8 \times 5 = 40$

(क) संस्कृति क्या है ? इसके स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(ख) धर्म क्या है ? धर्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(ग) संस्कारों की संख्या और उसके प्रयोजन पर विस्तृत रूप से लिखिये।

(घ) पुरुषार्थ चतुष्टय का परिचय देते हुए सभी पुरुषार्थों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ङ) संस्कारों की वैज्ञानिकता का वर्णन कीजिए।

(च) भगवद्गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञ के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(छ) त्रिगुणात्मक प्रकृति का वर्णन करते हुए उसका व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है ? वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए : 5×2=10

(क) बहुसांस्कृतिकता

(ख) कार्य-कारण सिद्धान्त

(ग) परिणामवाद

(घ) सत्त्व, रज, तम